Mar Raphael Thattil
Major Archbishop of the Syro-Malabar Church

संदर्भ संख्या 0642/2024

चारागाही पत्र

दुक्राना - सभादिनम् 2024

महामहिम रफाएल ताट्टिल

सीरो मलबार कलीसिया के मेजर आर्चबिशप

प्रति, सीरो मलबार कलीसिया के महाधर्माध्यक्षों, धर्माध्यक्षों, पुरोहितों,

समर्पित पुरूष और महिलाओं और लोकधर्मी विश्वासियों।

प्रभु का अनुग्रह आप सबके साथ बना रहे।

ईसा मसीह में मेरे प्रिय भाई बहनों,

हमारे पिता प्रेरित संत थॉमस की शहादत की स्मृतियों से ओत प्रोत, दुक्राना पर्व के अवसर पर, इस चारागाही पत्र द्वारा आपको संबोधित करते हुए, मैं अत्यंत आनंद का अनुभव कर रहा हूँ। सालों से हम इस दिन को सीरो मलबार 'सभादिनम्' के रूप में मनाते आ रहे हैं। हमारी कलीसिया की स्थापना संत थॉमस की प्रेरितिक उद्घोषणा के द्वारा हुई। जिन्होंने हमारे पुनरूत्थित प्रभु के घावों को देखने के बाद विश्वास की घोषणा की 'मेरे प्रभु मेरे ईश्वर'। दुक्राना पर्व, विश्वास में हमारे पिता संत थॉमस का स्मरण करने का दिन ही नहीं है बल्कि अपने हृदयों से प्रेरित के रक्त को स्पर्श करने के द्वारा भावनात्मक रूप से विश्वास का अनुभव कर, प्रभु ईसा में अपने विश्वास को स्वीकारने और दृढ़ करने का दिन है। ईश्वर के दिव्य संरक्षण के लिए पर्व के इस दिन, विशेष रूप से धन्यवाद करें क्योंकि ईश्वर के दिव्य संरक्षण ने प्रेरित संत थॉमस द्वारा सुसमाचार का प्रकाश, आनंद और साहस हमें प्रदान किया है।

सीरो मलबार कलीसिया के चतुर्थ मेजर आर्चबिशप के रूप में उत्तरदायित्व ग्रहण करने के बाद, मैं अपने पूर्ववर्तियों के समान ही सार्वत्रिक कलीसिया के मुखिया, संत पापा के प्रति सम्मान और आज्ञापालन अभिव्यक्त करने, मई 2024 में रोम गया। स्थायी धर्माध्यक्षों की समिति (Permanent Synod) के सदस्यों, कलीसिया के क्यूरिया धर्माध्यक्ष और रोम में कोषाध्यक्ष के साथ, मैंने मई 13 को संत पापा फ्रांसिस से भेंट की। संत पापा ने अत्यंत हर्ष और प्रेम के साथ हमारा स्वागत करते हुए सीरो मलबार कलीसिया के लिए कुछ प्रेरणादायी टिप्पणियाँ की। दर्शकों के मध्य हमसे भेंट करते हुए और रोम में सीरो मलबार कलीसिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, संत पापा की ये टिप्पणियाँ, हमारे लिए

Syro-Malabar
Major Archiepiscopal Curia
Mount St. Thomas, P.B. No. 3110, Kakkanad P.O.,
Kochi - 682030, Kerala, India | Tel: 0484-2428271
Email: majorarchbishop@gmail.com
Website: www.syromalabarchurch.in

मान्यता हैं। हमारी कलीसिया के प्रति चिंता और प्रेम के लिए मैं संत पापा को धन्यवाद देते हुए, मैं सभी लोगों से संत पापा के स्वास्थ्य और उनके समस्त मंतव्यों के लिए, प्रार्थना करने की अपील करता हूँ।

प्रिय बंधुओं, मैं संत पापा फ्रांसिस के वत्तिकान पैलेस (Vatican Palace) के कंसिस्टरी हॉल (Consistory Hall) में मई 13 को प्रदत्त उद्बोधन के कुछ अंशों को दुक्राना और सभादिनम् के समारोह के परिप्रेक्ष्य में चिंतन मनन के लिए विस्तारपूर्वक बताना चाहता हूँ।

प्रथम, हमें हमारी कलीसिया की प्रेरितिक परंपरा के विषय में प्रबुद्ध होना चाहिए और उसमें गर्व अनुभव करना चाहिए। संत पापा ने कहा 'आपके विश्वास का मूल प्राचीन है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के प्रेरित संत थॉमस की शहादत के बिंदु तक साक्षी होने में निहित हैं। आप सभी प्रेरितिक शिक्षा के संरक्षक और उत्तराधिकारी हैं'। संत पापा फ्रांसिस ने कहा कि हमारी कलीसिया के लंबे और जटिल इतिहास, सभी प्रतिकूल परिस्थियों के बाद भी हमने संत पेत्रुस के उत्तराधिकारी के प्रति दृढ़ निष्ठा बनाए रखी है। यह उस त्यागमयी निष्ठा की स्वीकृति है जिसके साथ हम सदैव कैथेलिक कलीसिया से ऐक्य में रहे हैं।

हमारे पूर्वजों के अत्याचार सहन करने के दौरान भी कलीसियाई संरचानाओं का आज्ञापालन करने और उनके प्रति दृढ़ रहने के कारण ही सीरो मलबार कलीसिया इस प्रकार विकसित हुई है कि उसकी संख्या, विश्वास के उत्साह और प्रेषितिक कार्यों के लिए पूर्वी कलीसियाओं के मध्य उसकी प्रशंसा की जाती है। हमने एकता के अभाव और अवज्ञा के कटु परिणाम और विकट संकटों का अनुभव किया है और अब भी कर रहे हैं। कलीसिया के अधिकारियों के प्रति आज्ञाकारिता एक ऐसा नैतिक गुण है जिसे प्रत्येक कैथेलिक को जीना चाहिए। इसके साथ ही धर्मवैधानिक दृष्टिकोण से, एक कलीसिया होने के कारण हमें आज्ञापालन करना चाहिए। ईश्वर को धन्यवाद करें जिसने दो हजार वर्षों से भी अधिक समय से प्रतिकूल परिस्थितियों के मध्य भी अखंड प्रेरितिक परंपरा द्वारा हमारा नेतृत्व किया है। इस प्रेरितिक परंपरा को एक अमूल्य निधि के रूप में संरक्षित करने और पीढ़ियों को इसके हस्तांतरण करने के हमारे उत्तरदायित्व को भूलना नहीं चाहिए।

द्वितीय, हम सीरो मलबार कलीसिया की वैश्विक उपस्थिति और प्रेषितिक कार्यों पर मनन चिंतन करेंगे। संत पापा ने कहा 'आपकी कलीसिया के विश्वासी, अपने विश्वास और भक्ति के जोश के लिए, भारत में ही नहीं बल्कि समस्त संसार में जाने जाते हैं'। यह गर्व का विषय है कि हमारी कलीसिया जो बीसवीं सदी तक मुख्यतः केरल तक ही सीमित थी अब एक ऐसी कलीसिया में विकसित हो गई है जिसकी वैश्विक उपस्थिति है। यह प्रशंसनीय है कि हमारी कलीसिया के सदस्य जो भूत में विभिन्न देशों में जाकर बस गए, हमारे प्रभु में अखंड विश्वास के संरक्षण के लिए, उन देशों में भी जोश से विश्वास को जीने और पीढ़ियों को

Mount St. Thomas, P.B. No. 3110, Kakkanad P.O.,
Kochi - 682030, Kerala, India | Tel: 0484-2428271
Email: majorarchbishop@gmail.com
Website: www.syromalabarchurch.in

मिलावट रहित विश्वास के हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्ध थे। वैश्विक प्रव्रजन के इस युग में विश्वासियों को इस प्रेषितिक कार्य के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

इस अवसर पर मैं सीरो मलबार कलीसिया के लिए आवश्यक कलीसियाई संरचना की समस्त भारत और संसार के विभिन्न भागों में स्थापना करने के ऐतिहासिक निर्णयों के लिए संत पापा फ्रांसिस का कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता हूँ। उन्होंने हमारी कलीसिया को खाड़ी देशों में भी चारागाही सेवा देने की मौखिक स्वीकृति प्रदान की है। हम आशा करते हैं कि खाड़ी देशों के पाँच लाख से भी अधिक विश्वासियों के लिए कलीसियाई संरचनाओं का अविलंब निर्माण होगा।

वैश्विक प्रव्रजन के परिप्रेक्ष्य में, जब हमारी संतान और परिवार, पढ़ाई, रोजगार और बेहतर जीवन के लिए संसार के विभिन्न हिस्सों में जाते हैं तब सार्वत्रिक कलीसिया के मुखिया हमारी कलीसिया की अनोखी विरासत के संरक्षण के लिए इस प्रकार आह्वान करते हैं 'यह अतः रोम के धर्माध्यक्ष होने के नाते मेरे लिए उचित है कि मैं आप, सीरो मलबार कलीसिया के विश्वासियों को, आप जहाँ भी हों, आपको आपके स्वायत्त (sui iuris) कलीसिया से संबंद्धता की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित करूँ ताकि आपकी महान उपासना विधि, धर्मशास्त्रीय, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत और भी अधिक चमके'। इस बुलाहट को स्वीकार करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को हमारी कलीसिया की उपासना विधि, विश्वास और परंपराओं के प्रति दृढ़ बने रहने का प्रयास करना चाहिए और उन्हें गर्व के साथ जीना चाहिए। मैं चाहता हूँ कि पुरोहित विश्वासियों को कलीसियाई संरचनाओं के अधिक निकट रखने का विशेष ध्यान रखें। इन परिस्थितियों में अपने चैतन्य की पहचान को सीरो मलबार कलीसिया के सदस्य के रूप में विकसित करने के लिए संकीर्ण विचारों को त्यागना आवश्यक है। यह एक सच्चाई है कि कलीसिया स्थानीय स्तर पर विकसित होती है। पर सीरो मलबार कलीसिया को वैश्विक स्तर पर एक सशक्त कलीसिया के रूप में और अधिक विकसित होने के लिए व्यापक सोच और एक निर्णय लेना आवश्यक है।

तृतीय, मैं हमारे परिवारों की शक्ति और विश्वास प्रशिक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रमुखता से बताना चाहूँगा। कलीसिया, जो एक बड़ा परिवार है, आध्यात्मिकता और कठिन परिश्रम पर स्थापित हमारे परिवारों का संयोजन है। परिवारों में आरंभ होने वाले विश्वास प्रशिक्षण को पैरिशों में धर्मशिक्षा कक्षाओं, पारिवारिक इकाइयों की भागीदारी और विभिन्न संबंधित प्रयासों द्वारा सशक्त बनाना चाहिए। नई पीढ़ी के परिवारों को इस प्रकार विश्वास की चट्टान पर अपनी नींव स्थापित करने के लिए सशक्त करने की आवश्यकता है कि वे समय और संस्कृति के प्रलोभनों में न पड़ें। प्रत्येक व्यक्ति, परिवार और इस प्रकार संपूर्ण कलीसिया अपने जीवन द्वारा यह बताने में सक्षम हों कि ईसा प्रभु हैं और एकमात्र मुक्तिदाता।

ईश्वर ने हमारी कलीसिया को प्रचुर पुरोहिताई और समर्पितों की बुलाहट प्रदान की है। समस्त विश्व में हमारे पुरोहित और समर्पित उपयोगी सेवाएँ प्रदान कर

रहे हैं। इस अवसर पर मैं विशेष रूप से उन लोकधर्मी भाई बहनों का स्मरण करना चाहूँगा जिन्होंने सुसमाचार घोषणा के मिशन को अनोखे तरीकों से अपनाया है और विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। इन समस्त बुलाहटों को प्रोत्साहित करने, उनकी हर संभव सहायता करने और उनके लिए प्रार्थना करने के लिए हम विशेष प्रयास करें। उसी प्रकार पुरोहितों को युवाओं को विशेष रूप से ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए, उनका साथ देना चाहिए, उनके प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए। युवाओं और कलीसियाई अधिकारियों (ecclesial ministers) दोनों को ही यह ध्यान में रखना चाहिए कि कलीसिया का भविष्य विश्वासी जीवन की गहनता और युवाओं के साक्षी बनने की शक्ति पर निर्भर करता है।

प्रभु ईसा में मेरे प्रिय बंधुओं, ईश्वर का प्रेममयी दिव्य संरक्षण सदैव हमारे साथ है। संत पापा के शब्दों को दोहराते हुए 'मैं सबको कहना चाहूँगा, कठिनाइयों और विपत्तियों के समय, समस्याओं का समाना करने हुए निराशा या असहाय होने के भाव को स्वयं पर हावी नहीं होने दें'। अतः प्रेरितिक शिक्षाओं के संरक्षक और उत्तराधिकारी होने के नाते, हम गर्व से कैथेलिक कलीसिया से ऐक्य में रहते हुए, अत्यंत वैभव के साथ हमारी कलीसिया की महान विरासत को संसार के विभिन्न हिस्सों में प्रसारित करने के लिए प्रयास करें। अपने परिवारों को सशक्त कर, पूर्ण हृदय से विश्वास प्रशिक्षण के प्रयासों को अपनाते हुए, बुलाहटों को बढ़ावा देते हुए और युवाओं को अपने निकट रखते हुए, इस युग के पथ को चुनौती देने के द्वारा, स्वर्ग की ओर अपनी यात्रा जारी रखें।

मैं दुक्राना पर्व और सभादिनम् की सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ। हमारी धन्य कुँवारी माता मरियम, संत युसूफ़, प्रेरित संत थॉमस और समस्त संतों और धन्यों की मध्यस्थता और आशीर्वाद हमारे और हमारे प्रत्येक कार्य के साथ रहे।

यह माउंट संत थॉमस, काक्कनाड स्थित सीरो मलबार कलीसिया की मेजर आर्कीएपिस्कोपल क्यूरिया से जून 22, 2024 को दिया गया।

मार रफाएल ताट्टिल

मेजर आर्चबिशप,

सीरो मलबार कलीसिया

यह चारागाही पत्र सीरो मलबार कलीसिया के समस्त चर्चों, संस्थानों, प्रशिक्षण केंद्रों, समर्पितों के आवासों और सेमिनरियों में रविवार जून 30, 2024 के पवित्र बलिदान के दौरान पढ़ा जाए।

Mar Raphael Thattil

Major Archbishop of the Syro-Malabar Church